11

विकास कार्यक्रम और परियोजना प्रबन्ध का प्रशासन

[DEVELOPMENT PROGRAMMES AND ADMINISTRATION OF PROJECT MANAGEMENT]

भूमिका (Introduction)

विकास नियोजन की सफलता कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं के प्रभावशाली और कुशल क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। विकास कार्यक्रम और परियोजनाएँ राष्ट्रीय विकास की रचना कौशल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे विकास प्रक्रिया के उपकरण और माध्यम हैं। विश्व में कार्यक्रम निर्माता और कार्य इकाई के रूप में उन्होंने मान्यता प्राप्त कर ली है। वास्तव में, कुछ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय इकाइयाँ सामान्य नियोजन की तुलना में कार्यक्रमों और परियोजनाओं के निरूपण (formulation) पर अधिक बल देती हैं। आज जबकि विकासशील देश विकास और आधुनिकीकरण के मार्ग पर चल रहे हैं, योजना निर्माता और लोक उद्यम प्रबन्धक कार्यक्रम और परियोजना की स्थापना की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं जिससे लक्ष्य की प्राप्ति में सहायता मिले। इस प्रकार कार्यक्रम और परियोजना तैयार करना विकासशील देशों के विकास के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। यद्यपि विकासशील देशों में परियोजनाओं का उपयोग हो रहा है परन्तु उनका प्रयोग और महत्व विभिन्न देशों में अलग है। अधिकांश देशों में परियोजना विदेशों से आर्थिक और तकनीकी सहायता से स्थापित किये गये हैं। परियोजना राष्ट्रीय नियोजन के लिए आधार तथ्य और आँकड़े उपलब्ध कराने के महत्वपूर्ण साधन हैं। वे राष्ट्रीय नियोजन प्रक्रिया में सहायता प्रदान करते हैं। उनका ध्येय व्यवहार परिवर्तन करके अन्ततः सामाजिक परिवर्तन करना है।[1] इस प्रकार राष्ट्रीय नियोजन में अनेक निवेश कार्यक्रम और परियोजनाएँ सम्मिलित होती हैं।

प्राकृतिक प्रकोप, जनसंख्या के विस्फोट, महँगाई, भुखमरी, बेरोजगारी जैसी समस्याएँ भविष्य की आवश्यकताओं का अनुमान लगाने के कार्य को और अधिक विकट बना देती हैं। सामान्यतया ऐसी घटनाओं से निपटने को तैयार न रहने के हालत में पकड़े जाने की सम्भावना उत्तरदायी प्रशासन के हमेशा पीछे पड़ी रहती है। ऐसी सम्भावित समस्याओं से निपटने के लिए विकासशील देशों में यह आम राय बनती जा रही है कि आर्थिक विकास को अर्थव्यवस्था के

---

1. Ashok Pradhan : *'Organizational Design for Development Projects'*, in M. K. Singh & Anant Mahadevan, *Project Evaluation and Management* (New Delhi, Discovery Publishing, 1990), p. 191.